

काय मां ॥ वैजं डुं डुं दव काय डुं ॥ वैजं अं डुं दव काय डुं ॥ ॐ गिव का नमः ॥ नवा
 दूट ना मया इका ॥ बलिं उ द्रु र साहा ॥ अवाह नादि ॥ वि नु य य ॥ ॥ न ना म म
 या न्या म ॥ वैजं कुं न मा रु ग व ति दं क म ना ये कुं क नि पू अ ज या इ कां ॥ वैजं कुं कुं
 कृ ति का ये कु ल दी या ये कुं अ ना मि का ये ज या इ कां ॥ वैजं कुं द्रां दीं द्रु
 व र्च ना ये कुं म धा मा ये ज या इ कां ॥ वैजं कुं दं डे पा न म अ या ना मुखि व द्रु र या
 ये ह न म रं क व वा कुं ॥ वैजं कुं कुं कुं म ह का रि का ये कुं अ ल फ ग कि न द य

यायववद॥ जेऊं मुकुं किदि शिविका कलाये मुकुं ॥ अतकलकि ॥ अमुय रुदा ॥
ॐ निस्रु न्यास ॥ जेऊं नमारुगवतिह नमस्ते ये मुकुं यकि मवकाय जयाइका ॥
जेऊं मुकुं कडिकाये केलदी पाये मुकुं उरुववकाय जयाइका ॥ जेऊं मुकुं दां दीं व
वनाये द किदावकाय जयाइका ॥ जेऊं मुकुं दनेन नमस्ते न्यास मुखि वदूया
ये मुकुं पूर्ववकाय जयाइका ॥ जेऊं मुकुं ॐ श्रीमहकाविकाये मुकुं उरुवकाय
जयाइका ॥ जेऊं नम न्यास याइका ॥ वलिगुदरुखाहा ॥ आवाह नादि ॥ विनु

य ३॥ ॐ निस्रु न्यास ॥ ॥ ॐ नम ॥ धीगुव ॥ कर्मात्र नयाय ॥ वकिदि न्यास
॥ ॥ थनासाद्यास ॥ जेऊं ननादि नो सिखाया याइका ॥ जेऊं थयस नो उरुसि
नामालाया याइका ॥ जेऊं नमं निरुखे पूर्वसिनामालाया याइका ॥ जेऊं नमं यकि
सुये दकिदासिनामालाया याइका ॥ जेऊं नमं विद्याये उरुवसिनामालाया याइका
॥ जेऊं नमं ॐ नमो यकि मसिनामालाया याइका ॥ जेऊं नमं वं यामु ॥ अये गती यनय या
इका ॥ जेऊं नमं यि यदस नो नय या याइका ॥ जेऊं नमं ॐ नमो यकि न्यास याइ

का॥ ज॥ नै॥ ज॥ वै॥ व॥ जि॥ नो॥ व॥ द॥ न॥ या॥ दू॥ का॥ ज॥ नै॥ ज॥ क॥ क॥ यो॥ द॥ द॥ द॥ या॥ ॥ या॥ इ॥ का॥ ज॥ नै॥ ज॥ र॥
का॥ लि॥ का॥ यो॥ उ॥ द॥ द॥ क॥ य॥ क॥ या॥ इ॥ का॥ ज॥ नै॥ ज॥ ग॥ लि॥ वा॥ यो॥ अ॥ भा॥ द॥ न॥ य॥ को॥ या॥ इ॥ का॥ ज॥ नै॥ ज॥ य॥
खा॥ यो॥ उ॥ द॥ द॥ या॥ इ॥ का॥ ज॥ नै॥ ज॥ द॥ वी॥ ना॥ यो॥ अ॥ भा॥ य॥ या॥ इ॥ का॥ ज॥ नै॥ ज॥ मा॥ या॥ द॥ यो॥ जि॥ का॥ यो॥
या॥ इ॥ का॥ ज॥ नै॥ ज॥ अ॥ वा॥ गी॥ श्र॥ र्वा॥ वि॥ या॥ इ॥ का॥ ज॥ नै॥ ज॥ ए॥ ना॥ या॥ लो॥ क॥ र्वा॥ य॥ या॥ इ॥ का॥
ज॥ नै॥ ज॥ उ॥ मा॥ रु॥ नो॥ द॥ क॥ क॥ र्वा॥ य॥ या॥ इ॥ का॥ ज॥ नै॥ ज॥ उ॥ य॥ ह्रा॥ यो॥ वा॥ म॥ क॥ र्वा॥ य॥ या॥ इ॥
का॥ ज॥ नै॥ ज॥ व॥ लि॥ सि॥ वा॥ नो॥ क॥ ल॥ या॥ इ॥ का॥ ज॥ नै॥ ज॥ उ॥ ला॥ मा॥ यो॥ द॥ क॥ वा॥ हो॥ वा॥ इ॥ का॥ ज॥ नै॥

ज॥ ट॥ वि॥ ना॥ य॥ यो॥ वा॥ म॥ वा॥ हो॥ या॥ इ॥ का॥ ज॥ नै॥ ज॥ य॥ लि॥ मा॥ यो॥ द॥ क॥ क॥ ल॥ या॥ या॥ इ॥ का॥ ज॥ नै॥ ज॥ म॥
का॥ वि॥ लो॥ द॥ क॥ रु॥ का॥ मु॥ ली॥ य॥ या॥ इ॥ का॥ ज॥ नै॥ ज॥ उ॥ क॥ रु॥ नो॥ वा॥ म॥ रु॥ का॥ मु॥ ली॥ य॥ या॥ इ॥ का॥ ज॥
नै॥ ज॥ उ॥ क॥ या॥ लि॥ नो॥ वा॥ म॥ रु॥ क॥ या॥ ल॥ या॥ इ॥ का॥ ज॥ नै॥ ज॥ वै॥ दी॥ या॥ नो॥ ल॥ ल॥ त॥ ल॥ या॥ इ॥ का॥ ज॥ नै॥ ज॥
ज॥ य॥ नो॥ नो॥ लि॥ ल॥ य॥ या॥ इ॥ का॥ ज॥ नै॥ ज॥ रु॥ ली॥ यो॥ द॥ क॥ क॥ य॥ या॥ इ॥ का॥ ज॥ नै॥ ज॥ य॥ वा॥ य॥ व॥ ग॥
यो॥ वा॥ म॥ रु॥ य॥ या॥ इ॥ का॥ ज॥ नै॥ ज॥ य॥ या॥ व॥ नो॥ रु॥ द॥ य॥ या॥ इ॥ का॥ ज॥ नै॥ ज॥ य॥ ल॥ मि॥ का॥ यो॥ उ॥ रु॥ न॥ या॥ इ॥
का॥ ज॥ नै॥ ज॥ क॥ र्वा॥ वि॥ का॥ यो॥ ना॥ हो॥ या॥ इ॥ का॥ ज॥ नै॥ ज॥ क॥ रु॥ ग॥ लो॥ द॥ क॥ रु॥ न॥ या॥ इ॥ का॥ ज॥ नै॥ ज॥ ल॥ य॥

काजमेनजंमवीसाम्। दत्तनयकोयाइकाज॥ नैजंनैकीकडुददशनयकोयाइकाज॥
नैजंनैमयाजाम्। मयनयाइकाज॥ नैजंनैमयहीगडाधुयाइकाज॥ नैजंनैमय
लिकायांयाइकाज॥ नैजंनैमहासनजिह्वायांयाइकाज॥ नैजंनैकाधदकक। मयाइका
ज॥ नैजंनैखंयुदकवाहीयाइकाज॥ नैजंनैगंयवुदककहीयाइकाज॥ नैजंनैशिबारुम
दककनाहुलीयूयाइकाज॥ नैजंनैककडननखयाइकाज॥ नैजंनैकर्मवामक। मया
इकाज॥ नैजंनैककनगवामवाहीयाइकाज॥ नैजंनैककुवाननवामकवीयाइकाज॥ नैजं

नैजंनैवामकनाहुलीयूयाइकाज॥ नैजंनैकर्मवामकनाहुलीनखयाइकाज॥ नैजंनै
ममथनदकोवीयाइकाज॥ नैजंनैलामलीदकजंयायाइकाज॥ नैजंनैजानकदकया
दयाइकाज॥ नैजंनैअर्द्धनावीगतदहुलीयूयाइकाज॥ नैजंनैडमाकाकननखयूयाइकाज॥
नैजंनैआवाहिनवामावीयाइकाज॥ नैजंनैधंविनवामजंयायाइकाज॥ नैजंनैदंविदधिनया
मयादयाइकाज॥ नैजंनैमीनदकदहुलीयूयाइकाज॥ नैजंनैमयननखयूयाइकाज॥ नै
जंनैलाहिनदकया। मयाइकाज॥ नैजंनैहिरिवामया। मयाइकाज॥ नैजंनैकगलनय

नैजदीन धान मुखी हौं धान खाये पाइकां॥ नारो॥ नैजदीन हरी म हौं सी माये पाइकां॥
दक्षिण उज॥ नैजदीन हरी म हौं सी माये पाइकां॥ वाम उज॥ नैजदीन हरी म हौं वाम
नाये पाइकां॥ दक्षिण मूया दा मुली म॥ नैजदीन हरी म हौं यिव नाये पाइकां॥ वा
म मूया दा मुली म॥ नैजधाविकाष्ट कन्या सरुदाविकाये पाइकां॥ वलि॥ नैति धाविकाष्ट
कन्या म॥ नैज हौं सिद्धाये पाइकां॥ नैज हौं मद्राये जावद या पाइकां॥
नैज हौं विष्णु नाये उवद या पाइकां॥॥ नैज हौं लक्ष्मी उवद या पाइकां॥ नैज हौं दीया म

नारो पाइकां॥ नैज हौं मालि नो द द य पाइकां॥ नैज हौं सिवाये क ल पाइकां॥ नैज हौं
वसु मुखाय मुख पाइकां॥ नैज हौं ना साम्नाये ना सायुद द य पाइकां॥ नैज हौं कट का
ये कर्षु द य पाइकां॥ नैज हौं रुनिके ली गु क्रय पाइकां॥ नैज हौं मुख सिव म पाइकां॥
नैज हौं ना साम्नाये ना सायुद द य पाइकां॥ नैज हौं कट का ये कर्षु द य पाइकां॥ नैज हौं
रुनिके ली गु क्रय पाइकां॥ नैज हौं मुख सिव म पाइकां॥ नैज हौं पीठा द सा म्ना सरुदा
विकाये पाइकां॥ वलि॥ नैति धा द सा म्ना म॥॥ नैज हौं सर्व रुद द या य न म॥ नैज

पुस्तक्यं शंकासमृद्धवकुं यत्राहिदं ॥ वीरकूपेन वा मंत्र दक्षक (क) प्रतिष्ठापि। नासाय वि
लवूलीव गलपयिक्कमालकं ॥ शिलाविगुलान् लघंगतं वकुं ववी मारु ॥ जलनाम्यं
ववामाङ्गं पूर्ववदक्षक लुग ॥ यत्रावकुमृद्धदसं गनारुक्कं यत्राहिदं। सर्वदष्टाकना
लानि वकुल्युक्कानि सगुना ॥ अक्राध्यस्य वक्रासि कृत्तिकायामहानि व। दक्षि। ए
वयया। गदा वामे वविजानत ॥ शिगूलवक्रवजादि अक्षुर्ग। वक्रकर्तिका। दक्षि। एव
महादशा नीलात्यलसतावक ॥ अक्रावमगुखदाङ्गं यथापू कृ फधवृत्तथा। कपाल

[illegible]

यन्मन्त्रं ॐ अया इकां पूजयामि ॥ वै ॐ बलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ वै ॐ श्रीजालध्वजमहाय
 ० जालध्वजं नानन्दनाथजालध्वजीयन्मन्त्रं ॐ अया इकां पूजयामि ॥ वै ॐ बलिं गृह्ण २ स्वा
 हा ॥ वै ॐ श्रीपूर्वगिरीमहाय ० पूर्वध्वजानन्दनाथपूर्वध्वजीयन्मन्त्रं अया इकां
 पूजयामि ॥ वै ॐ बलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ वै ॐ श्रीकामध्वजमहाय ० कामध्वजानन्दनाथ
 कामध्वजीयन्मन्त्रं ॐ अया इकां पूजयामि ॥ वै ॐ बलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ वै ॐ गीर्वाण
 कं ॥ ध्वजयावर्तुपीता ॥ वै ॐ बलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ श्रीजालध्वजमहाय ० जालध्वजानन्दना

श्रीजालध्वजमहाय
 श्रीकामध्वजमहाय
 श्रीगीर्वाणकं
 श्रीध्वजयावर्तुपीता

पूजयामि ॥ वै ॐ श्रीकामध्वजमहाय ० कामध्वजानन्दनाथकामध्वजीयन्मन्त्रं अया इकां
 पूजयामि ॥ वै ॐ बलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ वै ॐ गीर्वाणकं ॥ ध्वजयावर्तुपीता ॥ वै ॐ
 श्रीजालध्वजमहाय ० जालध्वजानन्दनाथजालध्वजीयन्मन्त्रं अया इकां पूजयामि ॥ वै ॐ
 बलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ वै ॐ श्रीपूर्वगिरीमहाय ० पूर्वध्वजानन्दनाथपूर्वध्वजीयन्मन्त्रं
 अया इकां पूजयामि ॥ वै ॐ बलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ वै ॐ श्रीजालध्वजमहाय ० जालध्वजानन्दना

लीय नाम्नाम् ॥ अथाइका ॥ वैजं नमो ॥ श्रीयहानन्दनाथनाकिणीयनाम्नाम् ॥ अथाइका
॥ वैजं नमो ॥ श्रीगानन्दनाथका ॥ किनीयनाम्ना ॥ अथाइका ॥ वैजं नमो ॥ श्रीगिना न
न्दना ॥ श्रीथमा किणीयनाम्नाम् ॥ अथाइका ॥ वैजं नमो ॥ अथादानन्द ॥ नाथ ॥ हाकिनी
यनाम्नाम् ॥ अथाइका ॥ वैजं नमो ॥ किनीदेवीयाइका ॥ ॥ यहुकिनी ॥ अथाइका ॥ बलि
गुरु ॥ ॥ स्त्राहा ॥ अथयावत ॥ नका ॥ अथाइका ॥ दि ॥ विन्दु ॥ ॥ ॥ कितादीय
॥ ॥ वैजं नमो ॥ श्रीयत्रयतासनाय नमो ॥ वैजं नमो ॥ अथाइका ॥ अथाइका ॥ अथाइका ॥

माला ॥ ॥ वैजं नमो ॥ श्रीयत्रयतासनाय नमो ॥ वैजं नमो ॥ अथाइका ॥ अथाइका ॥ अथाइका ॥
लायनाम्नाम् ॥ अथाइका ॥ वैजं नमो ॥ अथाइका ॥ अथाइका ॥ अथाइका ॥ अथाइका ॥ अथाइका ॥
॥ वैजं नमो ॥ श्रीयत्रयतासनाय नमो ॥ वैजं नमो ॥ अथाइका ॥ अथाइका ॥ अथाइका ॥
॥ वैजं नमो ॥ श्रीयत्रयतासनाय नमो ॥ वैजं नमो ॥ अथाइका ॥ अथाइका ॥ अथाइका ॥
॥ वैजं नमो ॥ श्रीयत्रयतासनाय नमो ॥ वैजं नमो ॥ अथाइका ॥ अथाइका ॥ अथाइका ॥
॥ वैजं नमो ॥ श्रीयत्रयतासनाय नमो ॥ वैजं नमो ॥ अथाइका ॥ अथाइका ॥ अथाइका ॥
॥ वैजं नमो ॥ श्रीयत्रयतासनाय नमो ॥ वैजं नमो ॥ अथाइका ॥ अथाइका ॥ अथाइका ॥

नन्दनाथवन्मायवाम्बायै नमः ॥ नैऋतं सप्तमं विमलानन्दनाथसप्तमं यवाम्बा
नैऋतं यवाम्बायै नमः ॥ विमलयुक्ताय यवाम्बायै नमः ॥ वलिनृद्रुद्राह ॥ यवाम्बायै नमः ॥
आवाहनादि ॥ विन्दुयुक्तं ॥ नैऋतं विमलयुक्तं ॥ नैऋतं विमलयुक्तं ॥ नैऋतं विमलयुक्तं ॥
नैऋतं नमो मिता नन्दनाथकूलं श्रीयवाम्बानमो नमः ॥ नैऋतं यवाम्बायै नमः ॥
थलसे ॥ यवाम्बायै नमः ॥ नैऋतं यवाम्बायै नमः ॥ यवाम्बायै नमः ॥ यवाम्बायै नमः ॥
यवाम्बायै नमः ॥ नैऋतं यवाम्बायै नमः ॥ यवाम्बायै नमः ॥ यवाम्बायै नमः ॥ यवाम्बायै नमः ॥

गुर्ववदुक्ताय यवाम्बायै नमः ॥ वलिनृद्रुद्राह ॥ यवाम्बायै नमः ॥ आवाहनादि ॥
विन्दुयुक्तं ॥ नैऋतं विमलयुक्तं ॥ नैऋतं विमलयुक्तं ॥ नैऋतं विमलयुक्तं ॥
नैऋतं विमलयुक्तं ॥ नैऋतं विमलयुक्तं ॥ नैऋतं विमलयुक्तं ॥ नैऋतं विमलयुक्तं ॥
नैऋतं यवाम्बायै नमः ॥ नैऋतं यवाम्बायै नमः ॥ नैऋतं यवाम्बायै नमः ॥ नैऋतं यवाम्बायै नमः ॥
नैऋतं यवाम्बायै नमः ॥ नैऋतं यवाम्बायै नमः ॥ नैऋतं यवाम्बायै नमः ॥ नैऋतं यवाम्बायै नमः ॥
नैऋतं यवाम्बायै नमः ॥ नैऋतं यवाम्बायै नमः ॥ नैऋतं यवाम्बायै नमः ॥ नैऋतं यवाम्बायै नमः ॥

[illegible][illegible]

या इका पूजयामि ॥ यच्छ्रुत्वा न संशयः ॥ यत्तं वलि ॥ आवाहनादि ॥ विष्णुयज्ञः ॥
तत्तत्प्रियं तु अयं यथा स वा यथा इका ॥ नैज न माह गेवति नृदायै रं न मय
मनुयै रं न मयै का स माहृष्टं रं सर्वकामार्थसाधकी नाहृष्टं सर्वज्ञा यतिरुत्तमी
नारुह्य नृपय नृपय विरुन्नी नाहृष्टं सर्वसत्त्ववशी कवासा कदा दनाम् न न स मरु
कर्मयुक्ती नाहृष्टं सर्वमाहृष्टं रुदय व मसिद्धं रं यत्र कर्मकुद ना कर्मै रं सिद्ध
नैरु माहृष्टं व वं नैरु रं या इका पूजयामि ॥ नृति नृदयै रं ॥ नैज अथा

नञ्जमाद्यववदविमलं श्रीवन्मातीविश्रया इका ॥ नैज अथा नञ्जमाद्यववदविमलं
श्रीमाहृष्टवीविश्रया इका ॥ नैज अथा नञ्जमाद्यववदविमलं श्रीकोमातीविश्रया
इका ॥ नैज अथा नञ्जमाद्यववदविमलं श्रीवैष्णवीविश्रया इका ॥ नैज अथा नञ्ज
माद्यववदविमलं श्रीवावाहीविश्रया इका ॥ नैज अथा नञ्जमाद्यववदविमलं
श्रीरुद्रातीविश्रया इका ॥ नैज अथा नञ्जमाद्यववदविमलं श्रीवामुविश्रया
इका ॥ नैज अथा नञ्जमाद्यववदविमलं श्रीमहालक्ष्मीविश्रया इका ॥ नृति माहृष्टं



आर्य समाज

१९०८

3077

३३ (यथिप्रसन्नं यथावच्छिन्नं)

अष्टाविंशति

१२३

१११

१११५

3077

३३ रेयचिसत्तव पू गावद्वनि

अष्टावि शति



सुख सुखे जया इका ॥ वैज कुं १ कि लि २ वि अ का क ल म ये सुं १ अ न न का ये ज या इ का
॥ न्ति क न न्या म ॥ ॥ वैज कुं १ त मा रु ग व ति ह क म ला ये सुं १ अ न न का ये ज या इ का
य न म ॥ वैज कुं १ कुं १ क कि का ये क ल दी पा ये कुं १ क कि लि न म स्वा हा वैज कुं १
की दू व र्च ना ये सुं १ अ ना दि वा ध लि खा ये वो य टा ॥ वैज कुं १ ह के ल न म अ ना न
मू र्ति व दू नू या ये ह त क क व या य दू ॥ वैज कुं १ कां १ म ह का त्रि का ये सुं १ अ
नू क ल कि न क य या य व य ट ॥ वैज कुं १ कि लि २ वि अ का क ल म ये सुं १ अ न न का

१ कि १ अ ना य रु ट ॥ न्ति म अ न्या म ॥ ॥ वैज कुं १ त मा रु ग व ति ह क म ला ये सुं १
पा रु म व का य ज या इ का ॥ वैज कुं १ कुं १ क कि का ये क ल दी पा ये कुं १ उ रु व का
य ज या इ का ॥ वैज कुं १ कां १ की दू व र्च ना ये द कि ल व का य ज या इ का ॥ वैज कुं १ ह
अ न न म अ ना न म मू र्ति व दू नू या ये सुं १ व र्च व का य ज या इ का ॥ वैज कुं १ कां १ म
ह का त्रि का ये सुं १ उ रु व का य ज या इ का ॥ वैज कुं १ कि लि २ वि अ का क ल म ये सुं १ अ न न का
य व का य ज या इ का ॥ न्ति म अ न्या म ॥ ॥ त ता अ न या य अ र्च या ये पू ज

जातु रुडि ॥ आतायूजा ॥ सं ॥ श्रीसंवर्तन आवाहन ॥ विदवपूजा ॥ मूडाथवरन
॥ ॥ नैजवादिनाथस नाथयाइका ॥ कीरुवव नाथस नाथयाइका ॥ श्रीसामनाथ
याइका ॥ द्वां आसदकनाथयाइका ॥ द्वां लाहावक्रिय नाथयाइका ॥ जे
असंख्यीशान न्दनाथयाइका ॥ जे अहंलकलीशान न्दनाथयाइका ॥ जे अक्षमोहन
न्दनाथयाइका ॥ जे असमहाकालानन्दनाथयाइका ॥ जे अत्रुज्ज्ज्ञानन्दनाथयाइका
॥ जे अयंवालीशानन्दनाथयाइका ॥ जे अहंमूखीशानन्दनाथयाइका ॥ थवरमनुज

वलि ॥ आवाहन ॥ ॥ आध्यात्मिकत्यादि ॥ वंरुमलुनाथवं ॥ जे अत्रुशम
लुलायन ॥ जे अक्षवक्रिमलुनाथवं ॥ जे अक्षोलाहावक्रिय नाथवं ॥ जे अक्षमोहन
॥ ॥ कलाधाम ॥ जे अनीलवक्रमूखीहंरुनिकमलिसिर्ग पूर्वदक्षाम्मोमोमंडी ॥ जे व
क्रमंलितयनगुरुगंवरुदं सहायं ॥ यदाहंरुं विमूलनजनिविनदिवे आऊदलु
प्रधान ॥ यदाहंरुं यात्रिजातं जयमलियिधनं रीतिदेन सहाय ॥ विजादादं दंशा ॥ यत्र
विजातिनदनाहंरुमाहंरुजातं ॥ यामाहंरुं वक्रि नारुयत्रिनादिहंरुं ॥ वार्धयनं वक्रुयं ॥

सिंहवाद्याजिनाकेरुतिमतिकलकेखर्बकदात्रहसंतीलारुमधुमालाधनमति
नूलोनीनवसंनमामि॥दवस॥ ॥खर्बकात्रात्राहानममुखकमलादिलेदीर्घ
खर्बगूलनचक्रववजंभुतिसेनविलमकरिकादकहकातीलाकुंठकखडाअक
नवनमालितायककादलुकाशकडाददृक्कलायात्रवपुषिकुतालिअनालच
कडि॥ ॥नमोभ्यात्र॥ ॥नमोभ्यात्र॥ ॥नमोभ्यात्र॥ ॥नमोभ्यात्र॥ ॥नमोभ्यात्र॥
दुदकेदीनमगुद्यानामुखीकांकीकि

यन्मिमांसायमहासायालीकृत्तिकादंवालीयाइकापूजयामि॥२॥ पञ्चनसंपूज॥धन-
मनुष्यवलि॥आवाहनादि॥यानिमूढांदर्शय॥विष्णुय॥॥तथाकोमावीपूजाकृता
॥॥शिखापूजाकात्रय॥गुरुतमस्कात्र॥ताम्रभोजनं॥द्वैतमयरुद्र॥कत्रसाधनं॥नैऋ-
तिकाकनिष्ठायेनमः॥उज्ज्वलामिकायेनमः॥उज्ज्वलामिकायेनमः॥उज्ज्वलामिकायेनमः॥उज्ज्वलामिकायेनमः॥
उज्ज्वलामिकायेनमः॥उज्ज्वलामिकायेनमः॥उज्ज्वलामिकायेनमः॥उज्ज्वलामिकायेनमः॥उज्ज्वलामिकायेनमः॥
उज्ज्वलामिकायेनमः॥उज्ज्वलामिकायेनमः॥उज्ज्वलामिकायेनमः॥उज्ज्वलामिकायेनमः॥उज्ज्वलामिकायेनमः॥

अक्रायरुद्र॥ इति अक्रयाम॥ अलयागपूजा॥ अलयागामनायपाइकां॥ वैजं अ
नन्दशक्तिं त्रवानन्दवीनाधियतयद्वा॥ श्रीअलयागरुद्रात्रिकायपाइकां॥ वैजं अलयाग
दयाय॥ दौशितमस्वाहा॥ दूँ लिखा नु॥ ये वोषट्॥ हं कववायद्वा॥ ह्रीं नमः॥ यव
ट्॥ हं॥ अक्रायरुद्र॥ अक्रायनादिधनू मूर्धादर्शय॥ लिखानाथायविद्वाहस्वकृन्दायधी
महीतनामूदयवाय॥ या कृष्ण॥ अर्चयागपूजा॥ अर्चयागामनायनमः॥ वैजं॥ दौं॥ दूँ॥
४, पमून२॥ श्वाव२॥ तनूतनू२॥ त्रयवट२॥ यवट२॥ कल२॥ वम२॥ दम२॥ द्यातय२॥ विद्यातय२॥

[illegible]

मुखवात्रादासां नूलाये साह र्यो वञ्चिकाये सुखि नो अग्नये कृत्तिकाये नूदरुत्र
वयाइका ॥ धनं वलि ॥ वैजं मयूनासनाययाइका ॥ वैजं यवार्गकालायाययाइका
येको र्यो जागाये के वल्लोयासाये कृत्तिकाये उकरुत्रवयाइका ॥ धनं वलि ॥ वैजं यव
गर्गदिशूदाहासनाययाये वेसूरो रुत्रसिद्धोषद्वेनेमयाये कृत्तिकाये मकरु
त्रवयाइका ॥ धनं वलि ॥ वैजं मदिवासनाययाइका ॥ वैजं तार्गनालो जय न्याडि
याये वात्राजे रुदाये कद्वे वात्राये कृत्तिकाये उकरुत्रवयाइका ॥ धनं वलि ॥

वैजं गजासनाययाइका ॥ वैजं यवार्गगुञ्जवत्रिनेनुयाये नूदालो किलिकिलाये वज्र
वे वायवे कृत्तिकाये उकरुत्रवयाइका ॥ धनं वलि ॥ वैजं यवार्गनाययाइका ॥ वैजं य
वार्गजानो नकाप्रकडो वाये वासुनाये कालनागो किथिकाकाये को व र्यो कृत्तिकाये
उकरुत्रवयाइका ॥ धनं वलि ॥ वैजं शवाग्नयाददवीकाष्ट्रुद्राये महालक्ष्मी हीयाये
कायये नूलाये कृत्तिकाये उकरुत्रवयाइका ॥ धनं वलि ॥ अवाहनादि ॥ यानिम
दादक्षय ॥ विदुषय ॥ ॥ वैजं धी धी धी कलुत्रे ववाययाइका ॥ वैजं धी धी नोत्र ॥

सुनयाउविबलिमशुजनादि॥हाकाय॥ ॥ त्रैलोक्यत्रययकृष्णं त्रैलोक्यं
 कथयवत्तुलीमूलिप्रउकायउष्मा। सुविषुमृदना॥ मृक० फकायप्रउलाया
 देकदष्टक। त्रैलोक्यवत्तुलीमूलिप्रउकायउष्मा। सुविषुमृदना॥ मृक० फकायप्रउलाया
 खनानन॥ (गाम्पूरवा) वद्यन्तुलाहृदयनम्बुधुधनक॥ कदापिजाजालाखा
 मृकायाकृष्णं त्रैलोक्यं कथयवत्तुलीमूलिप्रउकायउष्मा। सुविषुमृदना॥ मृक० फकायप्रउलाया
 तीकाकृष्णं त्रैलोक्यं कथयवत्तुलीमूलिप्रउकायउष्मा। सुविषुमृदना॥ मृक० फकायप्रउलाया

ग्रीवसिंहप्रकटी मंदरासूत्रशास्त्राकारोत्रवर्षेव लम्बाष्टवक्त्रलक्ष्मणा॥
 पुककुपुःसतीलास्यःसूनासादृककथा।क्यातकमुपेअगोकेगयालाउदाह-
 ता।यअगोदधुमुदात्रकानकाःकुरुपालका॥१॥सवर्षुविहीनानुकुरुपाला
 अकुर्द॥१॥कलिंगवदूकारंमहात्रवरुयावह।मरुलक्ष्मीवनंथावकांला
 मूखीवसंसादा॥१॥कककंवठवाधविहालवदनावसं॥१॥यधुनावागुहावाध
 पद्मसंजुलाम्बव॥१॥संमंनूविधात्रायपर्वतमनूककथा॥१॥निर्जंयवलिप

वहानिधनं महिरुडकशात्रसकृदधताथकायकवाठयूकाष्टक॥ अत्राष्टा
वत्रविद्यानं मधुनमृत॥ वरु॥ वष्टिर्महावीर्यायालपित्वाहिताजगत्तनुदं
गुप्तदाकालं वलिपूजा निवदय॥ वत्तावक्तुमूपा लक्षिताया गृह्णतं वलिं॥ अ
श्वगन्तव्यकीवत्तावाविवलिकांक्षित॥ निष्ठाधिकानिवत्ताव॥ कथादा॥ ग
जन॥ वरु॥ विष्णुकंठाग्र्यं विंगुयि नलायन॥ दक्षकनालमयुग्रा कयाला
हत्रा॥ कला॥ काष्ठीवचदुष्टीखे॥ पुष्पगालि मीनरुलुषे॥ पृष्णेव

केरुथ कुरे की ये दू ये मु गु लु ले ॥ रावेता नहि नाथे थ क म पू जा य ना य ले ॥
 द्य लु वा शे थ गी ता ये रु थि ता का म दा म दा ॥ नुं ज डुं दौ दू ज म का य ज व क न २ क र ५
 पाल म हा व ल क थि ल ऊ टा ता न रा त थि न रु द्वा ला मू ख ग भं यू थं व लं पू जा गृ ह्म २
 रं व व रू प ल रु व २ मू व २ ख २ ल २ हू १ म हा ज म ना थि य त थं ला हा ॥ म क ना धन न
 सर्व था वि धि व द्वा लि दा न ती म इ रि दू र व रु रु १ ना य म ग्ना दि के रु थं ॥ नि र्ध य म दि
 ता रा जा सर्व थां ल न्ना रा रु वं ॥ ॐ पि रं ल रु क का मा न् स य म व स दा ज थं ॥ ॐ

ऊ मादि कृष्ण घालाय वलिं गुरु २ स्था ॥ ॥ तका मरुयी ० स ॥ नै ॥ कवलुक ४ का मयू
प. पूल विपूल गत जालयी ० ऊ या ख. स द्वा. ॥ मरुयी ० विपथ गनियू का द विपु ॥ मो
तका त्र. आ वा यो ॥ सिद्ध से ये स द न क लि यू ग स पू या निरु दे श क्का रु प ॥ का ये ० न
ल क स रु जा द व द वी न मा मि ॥ ली ली म रु यि ० द व द वी ॥ सां पू जा व लिं गुरु २ रु
॥ स्था ॥ ॥ तका उग्र व ॥ वलि स ॥ नै ॥ ऊ या वे वा ऊ ये की बा य ना जिता ॥ न न्दार्
दो ऊ या ली मा क ला ख बा पू क रु था ॥ दि य यो ग्री म रु या ग्री सिद्धि या ग्री ग ॥ ॥ न न्दार्

आर्वनाहीनवसिद्धीव. सिवद्वतीवहु१ वष्टिका॥ ॐ दं दया महायागिनीवलिंग
द्रु२ नुमसदा। कीवोसरीयागिनीलावलिंगद्रु२ सर्वसांकिंकनू२ सर्वविष्टिविनासय
सर्वनागासांकिंकनू२ द्रु२ रुद्रसाहा॥ ॥ तताम। अकर्मयावलिसद्वकाइयाया
तसंविष्टाह॥ ॥ पूर्वगुगवलिनं॥ ॐ अकीसर्वविष्टरुद्रा१ सर्वरुद्रां॥ ॐ मां वलिपू
जांगुद्रु२ ममसांकिंकनू२ द्रु२ रुद्रसाहा॥ ॥ अग्नयगलयतिवलि। ॐ असां वीलोने
लो१ सगलयति नाथयसवनेलासतिताय. सर्वविष्टायसमनाय ॐ मां वलिपूजा

द्रु२ म२ सांकिंकनू२ द्रु२ रुद्रसाहा॥ ॥ दक्षि। लकें रुद्रवालालिनीवलि। ॐ अजागी
द्रु२ अजी१ अजी१ रुद्रवालालिनी ॐ मां वलिपूजांगुद्रु२ म२ सांकिंकनू२ ममविष्टनामय२
द्रु२ रुद्रसाहा॥ ॥ नमस्यवद्रुकवलि॥ ॐ अकीदवीपूगवद्रुकनाथकयिलजलाहावना
सूत्र. तिनकका. मुखसर्वविष्टनाथय२ लावलि२ मद्रु२ द्रु२ रुद्रयालायवद्रुकनाथ
य ॐ मां वलिपूजांगुद्रु२ म२ सांकिंकनू२ द्रु२ रुद्रसाहा॥ ॥ यक्षिमयागिनीवलि
॥ ॐ अकीशकविद्यागिनीनाथी० अकीशकासहाजा. यागजागर्हजाकलजासकांद

जाय कवि आगिनी नां खचनी रुचनी एकाकनी द्वाकनी शुक्ली वहुः वेष्टवट सफा
 पुनवाकनी धातिजगता सतीनां यथा यय नां वलिं गुरु २ म २ सिद्धि कर्षनु दू ३ ट स्या
 दा ॥ वायव्यं कुरु वलि ॥ जे ५ ०० रु वक्तु नाधियत ययथा नास्ति अत्र वर २ म ३ ल मे ॥
 (५) अत्र वर २ वहुर्बुजगि नरुका शखटा रुख रुट रुक नूल या नथ मदा कपाल मा
 ला रुवधाय विद्युत्काटि स मय रा ॥ अकि रुग व न रै व व नू य यथा यय ना नां वलिं
 गुरु २ म २ विद्या कौ दय कौ की दू रुट स्या दा ॥ ॥ ५ रु व दीय वलिं ॥ जे ५ ० ० रु व दी

यधर्मादवीमहाकालकंदुयालाय ॐ मावल्लि पूजा गृह २ म २५॥ किं कृत् २ दू २
 स्वाहा ॥ ॐ सा न ॥ सा कि वलि ॥ वै ॥ व दू २ न व दू २ लुखा ॥ लुखिव दू २ धि २ त्र २ म २ सि २ इ २ य २ व
 दां ना न दू २ रु २ वृ २ न कं २ य २ लु २ यि २ लि २ त २ व २ त २ ल २ य २ र्ध २ ना २ पृ २ न २ जा २ गा २ व २ कं २ नि २ दा २ न २ का २ ना २ कृ २ न २ क
 न २ मि २ त्रि २ ता २ ना २ लु २ ड २ गि २ मृ २ दा २ स्ता २ द २ वी २ व २ कं २ वि २ की २ र्ध २ स्वे २ य २ मि २ ति २ व २ त २ वा २ व २ न्दि २ ता २ स्ता २ य २ ना
 रु ॥ दु २ र्धं २ व २ दू २ लु २ का २ वा २ दि २ वि २ ग २ ग २ दा २ त २ ल २ रु २ त २ ल २ नि २ क २ ल २ वा २ या २ ता २ ल २ वा २ न २ लं २ वा २ दा २
 त्रि २ न २ य २ व २ न २ था २ य २ ग २ कृ २ ति २ ता २ वा ॥ कृ २ ण २ पी ॥ अ २ य २ पी ॥ अ २ दि २ य २ व २ रु २ त २ य २ दा २ य २ ष २ ष २ या

दिक नयी तादया १ सदान १ गुरु बलि विधि ताया रुवी न बुव न्या ॥ सा दु सिद्ध
त्र सर्व अलि पिठि त वलि पूजा गुरु २ स २ भा कि का म स्वाहा ॥ ॐ मां वलि पूजां
गुरु २ स २ भा किं व न २ स्वाहा ॥ ॥ मा ॥ स म य वलि ॥ वै ज जी सर्व यी ॥ य यी
॥ नि द्वा ना य द्वा न म व वा द्वा ॥ य य द्वा न म द्वा ॥ सर्व दि हा ग म हि ता ॥ या गि नी
या ग नी न्द्रा १ सर्व क स मा ग ता ॥ ॐ द य द म हा व द्वा ॥ ना ॥ व न द्वा म म ॥ म रु
का १ ॥ स न द वि गु नू या दा व न न ता ॥ सर्व सिद्धि य सा दा म द वि क मां रु व त्वा दा

॥ वी ना ॥ मं या गि नी ना ॥ यदि य कि म ही क ल ॥ त द रु व लि द वी स म या वा न म
ल क ॥ ॥ कि म ति स न १ य मि मां स म द्वा हि जी वि ता ॥ नि रु क य नु इ द्वा नां या गि नी
ग ल स क ला ॥ क द्वा ना नि क स या नि इ नि मि कान क र्वा यि तां ॥ नि रु क य नु इ द्वा नां या
गि नी ग ल स क ला ॥ ॐ का दि य य यी ॥ रु य १ सा ना ॥ य की र्ति ता ॥ ॐ य धी ॥ रु स द्वा
दा दि ॥ स वि दि ॥ स म य ॥ म ही या ना ल व द्वा ॥ ॐ सर्व क ना क व द्वा ॥ या गि नी या ग
यू का ॥ स म य ति य नु सा ध का ॥ वी न क म स वी न्द्रा १ स य ति य नु द व ता ॥ ॥

आश्रयः प्रकाशः साधकाः किंति साधिनः ॥ नगत्रयाथ ग्रामवा गूढवा म्वा स मन्त्रि
द्वयः । वायिकुये कुरुक वासः ॥ न मा गू म लु ॥ नाना वृषधरा नायि वट जा विविधा
निव ॥ न व सर्वे यि स लु म्वा वलिं गू २ कु स र्व त ॥ एत र ए म ग नी यूरु क र्वा स र्व म त
रु ल य द । या त र्थ य न म या क र्वा य रु नि ष्या मि य क र्वा ॥ वलि यू षा य दान न स नु म्वा
म स र्वि क का ॥ स र्व क र्वा लि मि द्वा नु स र्व द षा भ्य षा नु म्वा ॥ ए व र्वा कि य षा रु न द्वा
कू का नान् न मा म्वा द ॥ ॐ मा वलिं पूजा गू २ म २ सिद्धि क र्वा २ दू २ रु ट्वा द्वा ॥ नि

वर्तन क्वा य ॥ ला क म द्वा वलि न धू न क ॥ आ वा रु ना दि ॥ या नि म्वा डं द र्वा य ॥ वि न्दु
रु य २ धू य ॥ दी य ॥ ने वा य ॥ जा य ॥ ॐ स्वा हा १० ॥ श्रीं स्वा हा १० ॥ यौ स्वा हा ॥ १० ॥ ॐ
पूँ स्वा हा १० ॥ नि र्वा त न १० ॥ म लु न ॥ म्वा ॥ न म र्वा न ॥ त र्वा ए ॥ नै ज यी त
य ॥ ॐ स्वा दि ॥ ॥ वृ पि यू जा ॥ न्वा म १० ॥ नै ज वृ ज्वा य रु ट्वा ॥ ॐ स्वा दि न न्वा म १० ॥
पू ज न म नु १० ॥ नै ज कालि २ व र्वा वी ला रु द लु य न म १० ॥ धा व म ॥ नै ज वा गी न्व
नी व र्वा ए न म १० ॥ या व म ॥ नै ज ल क्वा ना ना य ना य ए य न म १० ॥ द थू म ॥ नै ज

सामरुधनाय नमः॥ वास॥ नैऋतव्याविषु नदाय शक्रियकाय स्वनाय नमः॥
ॐ नमः पूषा॥ आवाहनादि॥ पुनि॥ स्वास्वनाय स्वनासाय शक्रिकायाय नमः॥
वधाय कुन्दलयाशील्युखनार्थ नमः॥ अङ्गनादि॥ विष्णुयय॥ ॥
इगुरुयाव इगुयाहव नमः॥ स्नानकलखकायाव नित्यकृतयाय॥ समु॥
क्र॥ अङ्गाय रुद्र॥ वलिवियमनु॥ नैऋतवाय विधिधका ना गृविदियानुनि
कृणा॥ सातालतेलवाङ्गया संधावशिवाङ्गया॥ रुद्रवलिङ्गकृ॥ स्नाह॥ ॥

सताविद्याव वलिकुय॥ इगुलखनलाया॥ वतसिधुहाननकुवक इगुनखा
कन॥ नास इगुयांक॥ नैऋतकौन्दयाय नमः॥ ॐ स्वादिषु नमः॥ इगुपू
जायाय मकु॥ नैऋतकौत्तनाय नमः॥ मातृ॥ नैऋतकौत्तनाय नमः॥ वाहना
स॥ नैऋतकौत्तनाय नमः॥ इगुविष॥ नैऋतकौत्तनाय नमः॥ क्रियाठस॥ लोम
विलामसं नमः॥ यलुगयणीकन ऊवक्रसजाठाव॥ अङ्गययुयासय वि
मरुविष्यकमायधीमही॥ तत्रायुं यवाय॥ इगुसमयनक॥ नासिव

यजमानस्वानकलेश्वजानकं॥ अथादि॥ वाक्॥ पूर्वजमरुगं पापं यशु
ननकायते॥ सर्वपापविनिर्मुक्तं स्वर्गवाप्तसंगकृति॥ यशुं गृह्णति दवं शिव
रूयामि उयामि ता॥ अथापि स्वर्गं प्रयच्छि कृत्वा कार्ये प्रयच्छम॥ श्रीश्रीश्री कृज
श्वरमहारात्रवायुगवतीवह्निकाये प्रयच्छम॥ तर्थादायाय॥ मातृकाविज
यकवयवया॥ शिवाय॥ आरुद्रकाय॥ आचार्याय॥ धनिवालाववलिप्र
काय॥ अन्नसंकला॥ दक्षिणा॥ समस्तकाय॥ यत्र॥ यमथर्मकाय॥ यथम

वक्तव्यार्थाय॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः॥ अथादि॥ १॥ ॐ अथाविंशतीत्यादि॥ ॐ
श्रुतिनामाहवदित्यादि॥ २॥ संपुष्टरुद्रा॥ ॐ अथायनिका॥ वाक्॥ श्रीश्रीश्री यन्त्रि
॥ ॐ ॥ ॥

